# जैन तत्त्वज्ञान-मीमांसा

## विषयानुक्रम


१. प्रकाशकीय
२. प्राक्कथन
३. प्रस्तुत कृति

## खण्ड १ : धर्म, दर्शन और न्याय

धर्म

विषय — पृष्ठ

१ पुण्य और पापका शास्त्रीय दृष्टिकोण ३
२ वर्तनाका अर्थ ८
३. जीवनमें संयमका महत्त्व १३
४. चारित्रका महत्त्व १८
५ करुणा : जीवकी एक शुभ परिणति २०
६ जैन धर्म और दीक्षा २३
७. धर्म एक चिन्तन २६
८ सम्यक्त्वका अमूढदृष्टि अंग एक महत्त्वपूर्ण परीक्षण-सिद्धान्त २८
९ महावीरकी धर्मदेशना ३०
१० वीर-शासन और उसका महत्त्व ३५
११. महावीरका आध्यात्मिक मार्ग ४१
१२ महावीरका आचार-धर्म ४४
१३. भ० महावीरकी क्षमा और अहिंसाका एक विश्लेषण ५०
१४. भ० महावीर और हमारा कर्त्तव्य ५३

दर्शन ५७-११४

१५. अनेकान्तवाद-विमर्श ५७
१६ स्याद्वाद-विमर्श ६२
१७ संजय वेलट्ठिपुत्त और स्याद्वाद ६५
१८ जैन दर्शनके समन्वयवादी दृष्टिकोणकी ग्राह्यता ७३
१९ वैदिक संस्कृतिको श्रमण-संस्कृतिकी देन ७६
२०. डॉक्टर आम्बेदकरसे भेंटवार्तामें महत्त्वपूर्ण अनेकान्त-चर्चा ८०
२१. जैन दर्शनमें सल्लेखना : एक अनुशीलन ८३
२२. जैन दर्शनमें सर्वज्ञता ९७

२३. अर्थाधिगम-चिन्तन १०५
२४ ज्ञापकतत्त्व-विमर्श ११०
२५ ध्यान-विमर्श ११४
**न्याय** ११७-१६४
२६ भारतीय वाङ्मयमें अनुमान-विचार ११९
२७ न्याय-विद्यामृत १६१

**खण्ड २ : इतिहास और साहित्य** १६५-३००

२८ स्याद्वादसिद्धि और वादीभसिंह १६७
२९ द्रव्यसग्रह और नेमिचन्द्र सिद्धान्तिदेव १९६
३० शासन-चतुस्त्रिंशिका और मदनकीर्ति २२०
३१ 'सजद' पदके सम्बन्धमें अकलङ्कदेवका महत्त्वपूर्ण अभिमत २४०
३२ ९३वें सूत्रमें 'सजद' पदका सद्भाव २४३
३३ नियमसारकी ५३वी गाथा और उसकी व्याख्या एव अर्थपर अनुचिन्तन २५५
३४ अनुसन्धानमें पूर्वाग्रहमुक्ति आवश्यक कुछ प्रश्न और समाधान २५९
३५ गुणचन्द्र मुनि कौन हैं ? २७६
३६ कौन-सा कुण्डलगिरि सिद्धक्षेत्र है ? २७८
३७ गजपथ तीर्थक्षेत्रका एक अति प्राचीन उल्लेख २८२
३८ अनुसन्धानविषयक महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर २८४
३९ आचार्य कुन्दकुन्द २९१
४० आचार्य गृद्धपिच्छ २९७
४१. आचार्य समन्तभद्र २९८

**खण्ड ३ : विविध** ३०१-३७१

४२ विहारकी महान देन तीर्थंकर महावीर और इन्द्रभूति ३०३
४३ विद्वान् और समाज ३०८
४४ हमारे सास्कृतिक गौरवका प्रतीक अहार ३१५
४५ आचार्य शान्तिसागरजीका ऐतिहासिक समाधिमरण ३२१
४६ आदर्श तपस्वी आचार्य नमिसागर . एक परिचय ३३१
४७ पूज्य वर्णीजी महत्त्वपूर्ण सस्मरण ३३५
४८ प्रतिभामूर्ति पं० टोडरमल ३४०
४९. श्रुत-पञ्चमी ३४२
५० जम्बूजिनाष्टकम् ३४५
५१. दशलक्षणधर्म ३४६
५२. क्षमावणी क्षमापर्व ३४८

| | |
|---|---|
| ५३. वीर-निर्वाणपर्व : दीपावली | ३५० |
| ५४. महावीर-जयन्ती | ३५४ |
| ५५ श्री पपौराजी : जिनमन्दिरोंका अद्भुत समुच्चय | २५६ |
| ५६. पावापुर महावीरकी निर्वाणभूमि | ३५८ |
| ५७. श्रमणबेलगोला और श्री गोम्मटेश्वर | ३६० |
| ५८ राजगृहकी यात्रा और अनुभव | ३६३ |
| ५९. कश्मीरकी मेरी यात्रा और अनुभव | ३६७ |
| ६०. बम्बईका प्रवास | ३७० |
| परिशिष्ट | ३७१ |


■